करने की योजना बताई है तो इंटीरियर क्षेत्र में कितने आप ऐसे होस्टल स्कूल बनाना चाहते हैं आदिवासियों के लिए ट्राइबल्स एरिया में उसकी संख्या कितनी होगी और उसमें कितनी राशि इसके परसेंटेज के हिसाब से खर्च की जाएगी और वैसे भी मध्य प्रदेश सरकार जितनी योजनाओं का पैसा है, एक योजना का पैसा दूसरी योजना में खर्च कर देती है। इसकी टोपी उसके सर करती है, इसलिए मैं जानना चाहूंगी कि यह पैसा उसी योजना में खर्च किया जाएगा या नहीं ?

कुमारी ममता बनर्जी : बिल्कुल मैं माननीया सईदा खातून जी को बधाई देना चाहती हूं कि जो ट्राइबल एजुकेशन के बारे में बहुत चिंतित हैं, लेकिन, एजुकेशन सेपरेट सबजैक्ट है। हम माननीय सदस्या का जो इंप्रेशन है वह श्री अर्जुन सिंह जी के पास जरूर पहुंचायेंगे, लेकिन मध्य प्रदेश में हमारा आई० सी०डी०एस० प्रोग्राम है जो फ्री एजुकेशन हम लोग लेते हैं वह हम लोग देते हैं थ्रू आई०सी०डी०एस० प्रोग्राम।

श्री समापति : विशेष रूप से आदिवासी क्षेत्र में देते हैं।

Production of Delhi milk scheme

*428. SHRI SYED SIBTEY RAZI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) what are the details of the milk products now being sold by the Delhi Milk Scheme;

(b) whether it is a fact that the Delhi Milk Scheme has set up 'All day Milk Stalls' for sale of these products in Government offices only;

(c) whether Government propose to set up such stalls in other places also; and

(d) if so, the details thereof and if not, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI K. C. LENKA) (a) Delhi Milk Scheme sells ghee, butter, yoghurt and flavoured milk.

(b) All Day Milk Stalls have been set up mainly in areas where there is a concentration of Government Offices.

(c) and (d) Delhi Milk Scheme is considering the setting up of a few more All Day Milk Stalls in other areas of Delhi/New Delhi.

श्री सैयद सिब्ते रजी : सर, दिल्ली मिल्क स्कीम पर बहुत ज्यादा प्रैशर है और यह पूरी तरह से मांग पूरी नहीं कर पा रहे हैं। क्या स्पेसफिक योजना है कि दिल्ली में दूध हर सीजन में, हर समय ठीक वक्त से मिलता रहेगा और स्टाल्ज को किसी प्रकार की कमी नहीं आने पाएगी और जो मौजूदा स्टाल्ज हैं उनको उनकी कार-कारदगी बेहतर बनाने के लिए क्या स्पष्ट योजना आपका डिपार्टमेंट बना रहा है ?

SHRI K. C. LENKA: The question is about the manufacture of the by-products. The sale of by-products is not the objective of the DMS.

MR. CHAIRMAN: Milk product , is being sold.

कृषि मंत्री (श्री बलराम जाखड़) : माननीय सदस्य ने जो कहा है कि कैसे और ज्यादा सप्लाई की जा सकती है उसके लिए विशेष ध्यान डेरी डिवलपमेंट पर दिया जाएगा। दूध ज्यादा पैदा हो और उसको ठीक ढंग से इकट्ठा किया जाए, मैं चाहता हूं कि कोआपरेटिव सैक्टर को ज्यादा उत्साह दिया जाए और कोआपरेटिव सैक्टर में हम लोगों को मैस गाय दे सकते है और जितने शुद्ध तरीके से कोआपरेटिव सैक्टर में कोई बढ़ाएगा, कोई भी व्यक्ति काम करेगा तो उसको रोजगार भी मिलेगा, एम्प्लायमैंट भी होगी और दूध का उत्पादन भी बढ़ेगा। दूध को तो हमें महाराष्ट्र से, राजस्थान से, उत्तर प्रदेश से भी लेना पड़ता है। हमारा विचार यह है कि जितना हम दूध का उत्पादन बढ़ा सकें वह बढ़ाएं और उसके साथ-साथ यहां पर फिर वह सप्लाई भी बढ़ जायेगी।

श्री सभापति : : दिल्ली में सप्लायी बढा दें ।

श्री बलराम जाखड़ : : हां, दिल्ली में सप्लायी तभी बढेगी जब गांवों में दूध पढेगा । । सर, दिल्ली में तो दूध बढने से रहा । दिल्ली में दूध लाना पडेगा और उसके लिए कोशिश करेंगे ।

श्री सैयद सिब्ते रजी : एक तो यह चर्चा हो रही है कि दिल्ली मिल्क स्कीम यूनिट अपने रेट्स बढाने जा रही है, दूसरी बात जो माननीय मंत्री जी ने कही कि कोआपरेटिव सोसायटीज को मान्यता दे रहे हैं ...

श्री सभापति : रेट्स का पूछ लो, अब टाइम खत्म हो रहा है ।

श्री सैयद सिब्ते रजी : सर, कोआपरेटिव सोसायटीज के मामले में बडी धांधली हो रही है , बेनामी कोआपरेटिव सोसायटीज चल रही हैं । इसके घोटाले के बारे में आज अखबार में भी है कि सी०बी०आई० इसकी जांच करेगी । इसमें कितना सत्य है, क्या माननीय मंत्री जी बताने का प्रयास करेंगे ?

श्री बलराम जाखड़ : माननीय सभापति जी, आप की बात सुन ली है जो सही कोआपरेटिव सोसायटी होगी उसको अवश्य प्रोत्साहन दिया जाएगा और प्रोत्साहन देने के लिए ही हमने काम किया है कि इसको ज्यादा बढाओ जिससे कि गरीब आदमी तक यह पहुंच सके । जो दूसरा रेट्स है जितना हम किसान को दे पायेंगे किसान पदा करेगा तो वह चाहेगा भी कि उसका घर भी पूरा हो । जो उसका घर पूरा होगा तो हमें भी उसको कुछ देना पडेगा । हम अभी तक सबसिडाइज कर रहे है । परसों मेरे सहयोगी मंत्री जी ने आपको उत्तर दिया था कि साढे 18 करोड रुपए का 30 अक्टूबर का नुकसान है और शायद यही हाल रहा तो 43 करोड रुपए का इस साल में होगा । उसको पूरा करने के लिए भी कोई-नकोई कदम उठायें होगे । उसको हम ठीक ढंग से करेंगे और सहकारिता का पूरा ध्यान रखकर करेंगे ताकि सहकारी सोसायटियों को कोई नुकसान न हो ।

श्री सैयद सिब्ते रजी : क्या सी० बी० आई० जांच कर रही है ?

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Fall in production of Maize

*424. SHRI SURESH KALMADI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the production and supply of maize registered a fall during the year 1990-91 and is likely to fall further during the current year; and

(b) if so, what steps are being taken to remedy the situation?

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI BALRAM JAKHAR): (a) Yes, Sir. The production of maize during the current year i.e. 1991-92 is likely to decline mainly due to moisture stress conditions in the major growing states.

(b) The steps to increase the production of maize in the country are as under:—

(i) a special foodgrain production programme—maize and millets is being implemented to improve the productivity in areas with relatively low yields through propogation of improved technologies. The important components include subsidised distribution of critical inputs such as certified seeds, herbicides, seed treating chemicals, plant protection measures etc.,

(ii) a minikit demonstration programme of maize including propagation of new technology is also under implementation. These demonstrations are organised on farmers' fields for recently released varieties.